ACTION RESEARCH

UNITED SECULAR SOCIETY

ENROLLMENT NO: 19997606
NAME: AASHISH KUMAR
FATHER'S NAME: DHARAM PAL
COURSE NAME: B.Ed (2nd year)
SESSION: 2019-21
SHARDA COLLEGE OF EDUCATIONAL TECHNOLOGY

Scanned with CamScanner

Topic : .... Date. : .... Page No. : 1

क्रियात्मक अनुसंधान

1. प्रस्तावना
2. क्रियात्मक अनुसंधान का अर्थ एवं विशेषताएँ
3. क्रियात्मक अनुसंधान की परीभाषा एवं महत्व
4. क्रियात्मक अनुसंधान का क्षेत्र
5. समस्या के लक्ष्य एवं उद्देश्य
6. प्रायोगिक प्रारूप
7. समस्या का निदान
8. आलेख
9. मूल्यांकन एवं पृष्टपोषण
10. सारांश एवं निष्कर्ष

UNITED SECULAR SOCIETY

CLASSTIME

Scanned with CamScanner

Topic : .... Date. : .... Page No. : 2

आभार पत्र

ईश्वर की कृपा तथा आशीर्वाद के बिना कोई काम पूरा नहीं हो सकता। हमारे जीवन रूपी मार्ग में जो भी समस्याएँ आती हैं उनका निवारण हम स्वयं नहीं कर पाते हैं। इसके लिए मनुष्य को किसी रूप से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग की आवश्यकता होती है।

उस प्रकाश स्तंभ की भांति है जो स्वयं जलकर हमारे जीवन रूपी मार्ग को प्रकाशमान करते हैं। अतः सर्वप्रथम उन्हें नमन।

बी. एड. के सभी शिक्षक गण को तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ जिनके मार्गदर्शन में मैंने अपना क्रियात्मक अनुसंधान प्रोजेक्ट पूरा किया।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

Topic : .... Date. : ....

क्रियात्मक अनुसंधान परीचय

आज के समय में मानव जीवन पहले की अपेक्षा ज्यादा सुखमय हो गया है। इसका मुख्य कारण आय-दिन नए-नए अनुसंधान के निष्कर्षों से समन्वय मानव जीवन में होना है। अनुसंधान एक प्रक्रिया है जिसका मुख्य उद्देश्य मौलिक समस्याओं का अध्ययन होता है। परन्तु व्यवहार पक्ष पर बल देने वाला अनुसंधान क्रियात्मक अनुसंधान लेविन के प्रयासों से तथा क्लोलर के प्रयास से यह अस्तित्व में आया। तभी से यह क्रियात्मक अनुसंधान कक्षा या विद्यालय को दिन-प्रतिदिन की समस्याओं की मनोवैज्ञानिक और वैज्ञानिक विधि से स्कूली शिक्षण व्यवस्था में सुधार एवं परिवर्तन लाया जा सके।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

ACTION RESEARCH

क्रियात्मक अनुसंधान

क्रियात्मक अनुसंधान शैक्षिक अनुसंधान का ही नवीनीकरण रूप है। कुछ विद्वानों ने क्रियात्मक अनुसंधान को प्रयोग प्रायोजन भी कहा है। वास्तव में प्रयोग प्रायोजन दो शब्दों से मिलकर बना है।

प्रयोग — प्रायोजन

PROJECT — EXPERIMENT

अर्थात जब किसी PROJECT को पूरा करने में किसी EXPERIMENT का सहारा लिया जाता है तो ऐसे प्रायोजन को प्रयोग कहते हैं।

EXPERIMENTATION शब्द लैटिन भाषा के EXPERIM शब्द से बना है जिसका अर्थ है 'प्रयत्न करना'। अतः वह क्रिया जिसके द्वारा हल करने के उपायों की खोज करता है, प्रयोग प्रायोजन या क्रियात्मक अनुसंधान कहलाता है।

क्रियात्मक अनुसंधान का अर्थ ऐसे अनुसंधान से है जो हमारी क्रियाओं अथवा प्रयासों को प्रभावित करता है। इस प्रकार के अनुसंधान कार्य को क्रियात्मक अनुसंधान इसलिए कहते हैं क्योंकि अध्यापक अपने नियमित कार्य के साथ ही एक योजना के अनुसार शैक्षिक समस्याओं को हल करने के लिए उपयुक्त उपायों की खोज करता है। वास्तव में यह एक लघु अनुसंधान है।

UNITED SECULAR SOCIETY

CLASSTIME

Scanned with CamScanner

क्रियात्मक अनुसंधान की परिभाषाएँ

मैकग्रेथ तथा अन्य के अनुसार "क्रियात्मक अनुसंधान संगठित खोजपूर्ण क्रिया है जिसका उद्देश्य व्यक्ति एवं समूह की क्रिया में परिवर्तन तथा विकास करने के लिए अध्ययन करना तथा रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत करना है।"

गुड व गुड के शब्दों में- क्रियात्मक अनुसंधान वह अनुसंधान है जिसका अध्यापक सुपरवाइजर तथा प्रशासक कार्यों में निर्णयों में सुधार हेतु करते हैं।

क्रियात्मक अनुसंधान का महत्व

क्रियात्मक अनुसंधान का एक मात्र लक्ष्य शिक्षण में सुधार करना है। यह सुधार चाहे पाठ्यक्रम में परिवर्तन करते है। अथवा शिक्षण विधि को उत्तम चयन द्वारा इसका आधार कार्य में कार्य के लिए अनुसंधान है।

1) अध्यापक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु वैज्ञानिक विधि का प्रयोग करता है।

2) अध्यापक को ही नहीं वरना दूसरों को भी लाभ पहुँचता है।

3) कुछ प्रयोग प्रयोजनाओं को बहुत से शिक्षण एक साथ मिलकर पूरा करते हैं। जिससे उनमें सहयोग की भावना का विकास होता है।

UNITED SECULAR SOCIETY
Scanned with CamScanner

Topic : .... Date. : ....

क्रियात्मक अनुसंधान का क्षेत्र

क्रियात्मक अनुसंधान का लक्ष्य शिक्षा की व्यवहारिक कठिनाइओं को दूर करना है। इस दृष्टि से प्रयोग प्रयोजन का क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है। कुछ समस्याएँ जिन पर प्रयोग प्रयोजन बनाई जा सकती है उनके उदाहरण निम्न प्रकार है :-

1) बालकों की आवश्यकताओं का अध्ययन।
2) बालको की रुची का अध्ययन।
3) सामाजिक समस्याएँ।
4) अनुशासनात्मक समस्याएँ।
5) सांयोगिक समस्याएँ।
6) सीखने संबंधी समस्याएँ।
7) पाठ्यक्रम संबंधी समस्याएँ।
8) शैक्षिक समस्याएँ।

उपरोक्त क्षेत्रों पर आधार क्रियात्मक अनुसंधान का प्रारूप निम्न प्रकार का हो सकता है।

(A) छात्र प्राय कक्षा में देर से क्यों आते है।
(B) छात्रों को पढ़ाने की सर्वोत्तम विधि कौन सी है।
(C) कुछ छात्र गृह कार्य पूरा करके क्यों नहीं लाते हैं।
(D) कुछ छात्र कक्षा में चुपचाप क्यों बैठे रहते हैं।
(E) छात्रों की भावना रुचि को दूर करना।
(F) छात्रों की नकल करने की प्रवृत्ति दूर करना।
(G) छात्र कक्षा से बीच में ही क्यों भाग जाता है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

क्रियात्मक अनुसंधान की सीमाएँ

1) प्राय: यह महसूस किया जाता है कि हमारे क्रियात्मक अनुसंधान कार्य का स्तर मौलिक अनुसंधान कार्य की तुलना में पर्याप्त निम्न स्तर का होता है।

2) क्रियात्मक अनुसंधान में सबसे बड़ी समस्या न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग नहीं करते। यही कारण है हमारे प्रयोग प्रयोजनों में परिणामों की व्यवहारिकता की उपयोगिता। अध्यापक के एक परिणाम की स्कूल से दूसरे स्कूल में स्थानान्तरण हो जाने पर संदेहात्मक हो जाती है।

3) किसी भी क्रियात्मक अनुसंधान को करने का अध्यापकों के कंधों पर बोझ स्वरूप लाद दिया जाता है। जिससे ये अपने अत्यधिक कार्यभार की वजह से रुचिपूर्वक नहीं करते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY
CLASSTIME
Scanned with CamScanner

क्रियात्मक अनुसंधान में प्रयुक्त सावधानियाँ

1) जहाँ तक हो सके परीस्थिती से मेल खाती हुई तथा सरल समस्या को ही अनुसंधान कार्य के लिए चुना जाए।
2) मूल्यांकन करते समय अनुसंधान कर्ता को सजग रहना चाहिए।
3) समस्या के लिए न्यादर्श का चयन सावधानी पूर्वक करना चाहिए।
4) अनुसंधान को समस्या में रूचि लेने वाले व्यक्तियों का पूरा सहयोग लेना चाहिए।
5) ऐसी समस्या अध्ययन के लिए ली जाए जिसे स्पष्ट पहचान लिया जा सके तथा जिसका समाधान आवश्यक बन जाता है

क्रियात्मक अनुसंधान के पद

मौलिक अनुसंधान की भांति क्रियात्मक अनुसंधान में भी कार्य के संचालन के लिए कुछ पदों का अनुसरण किया जाता है। जो निम्न क्रम में रखे जा सकते हैं :-

UNITED SECULAR SOCIETY

1) **प्रस्तावना**
इसके अंतर्गत जिस समस्या पर कार्य या प्रयोग किया जाता है उसकी भूमिका संक्षेप में प्रस्तुत की जाती है।

2) **शीर्षक**
जिस समस्या पर अनुसंधान कार्य किया जाता है, उसे संक्षेप में तथा स्पष्ट शब्दों में लिखा जाता है। शिर्षक के लिखने में समरूप का ध्यान अत्यंत आवश्यक है जिससे वह आकर्षक प्रतीत हो।

CLASSTIME

Scanned with CamScanner

3) समस्या की व्याख्या

इसके अंतर्गत चुनी गई समस्या की विस्तृत व्याख्या की जाती है तथा समस्या से संबंधित अनेक उपायों का संक्षेप में उत्तर दिया जाता है।

अध्यापक के व्यापक क्षेत्र को अपनी सामर्थ्य समय पर तथा उपलब्ध साधनों के आधार पर सीमित कर लेता है। समस्याओं के सही समाधान के लिए समस्या से संबंधित साहित्य और किसी सिद्धांत को आधार बनाना अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

F.L. Whitemey के शब्दों में, "To define a problem means to put a line around it to separate it by carefull distinctions from like questions, found in realised situation of need.

4) परिकल्पना का निर्माण

जब किसी प्रयोग पर कार्य किया जाता है तो कुछ बातों को आधार मानकर प्रयोग आरंभ किया जाता है। जिसका सत्यापन प्रयोजन की समाप्ति पर होता है। किसी भी प्रयोजन में एक या उससे अधिक उप- परिकल्पनाएँ बनाई जाती हैं।

Barr and Scates के अनुसार एक क्षणिक कथन होता है जिससे कि हम प्रस्तुत घटना या समस्या के आधार पर सत्य मान लेते हैं तथा प्रयोग करते हैं।

5) प्रयोग प्रारूप

जो भी सामग्री व उपकरण प्रयोग में लायी जाती है उसका नाम तथा विवरण लिखा जाता है।

CLASSTIME

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

Barr → "Which is better, a hammer or a hand saw?"

6> विधि

परीक्षण आरंभ करने से पूर्व समस्या की तीव्रता के बारे में प्रमाण एकत्रित किए जाते हैं, फिर पूरे समूह को दो भागों में बाँट लिया जाता है। उनमें से एक को परीक्षण समूह तथा दूसरे को नियंत्रित समूह कहते हैं। समूह परीक्षण समूह की समस्या को हल करने के लिए अनुमानित उपाय किये जाते हैं। तथा नियंत्रित समूह की रूढ़ीवादी विधि के द्वारा पाया जाता है। कुछ समय तक लगभग तीन माह इस परीक्षण को करने के बाद विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर लिया जाता है।

7> आंकड़े एकत्रित करना

अध्यापक को यह देख लेना चाहिए कि प्रस्तुत समस्या प्रारंभ में कितनी तीव्र थी तथा अनुमानित प्रयासों का प्रयोग करके उसे किस सीमा तक महत्व हल किया जा सकता है। इस जानकारी के लिए उसे परीक्षण आरंभ करने से पहले तथा बाद में आंकड़े एकत्रित करके उनकी तुलना करनी चाहिए।

8> निष्कर्ष तथा मूल्यांकन

परीक्षण के पहले तथा बाद में प्रमाणों की तुलना करके, अध्यापक यह निष्कर्ष निकालता है कि समस्या को हल करने के लिए अनुमानित प्रयत्न किस सीमा तक प्रभावशाली है। आंकड़ों द्वारा प्राप्त परिणामों को बनाओ के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इससे परिकल्पना के बाद समस्या के समाधान में आशातीत सफलता नहीं मिलती तब

UNITED SCHOLAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

अध्यापक समस्या का पुनः निदान करता है। वह यह विचार करता है कि समस्या के आधार और कौन-2 से विभिन्न कारण हो सकते हैं। तथा उनको कैसे दूर किया जा सकता है।

9> **सामान्यीकरण**

यदि परिणामों द्वारा किसी परीक्रम की पुष्टि होती है तो इस प्रयोग को अन्य सामान्य परीस्थितियों में कई बार दोहराना चाहिए और यदि प्रत्येक बार सफलता मिलती है तो यह सामान्यीकरण करना चाहिए कि समस्या को हल करने के लिए अमुक करने चाहिए।

10> **अनुमानित व्यय**

इसके अंतर्गत अनुसंधान कर्ता अपने पूरे परीक्षण के दौरान व्यय की जाने वाली धनराशी का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करता है। इसलिए परीक्षण को प्रशासित करने के प्रथम चरण तथा अंतिम चरण से पूर्व संबंधित व्यक्ति विद्यालय से पूर्व सहमति लेना उचित रहता है।

11> **संदर्भ सूची**

अनुसंधान कार्य को पूरा करने में जिन सहायक पुस्तकों, पत्रिकाओं, शब्द कोषों, बुलेटिनों, समाचार पत्रों तथा प्रमाणित पत्रिकाओं की सहायता ली जाती है। इन्हें एक निश्चित व सुनिश्चित ढंग से प्रस्तुत किया जाता है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

छात्र का सामान्य परीचय

नाम	कुमारी गुनगुन
पिता का नाम	सुनील कुमार
माता का नाम	आरती देवी
पता	पूर्वा महावीर दिल्ली रोड मेरठ
विद्यालय का नाम	सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कालेज
कक्षा	VIII
आयु	14
रुचि	संस्कृत पसंदीदा विषय है
मोबाइल नं०	9756836309
छात्रा की समस्या	छात्र को हिन्दी विषय के तथ्यों को समझने में समस्या उत्पन्न होती है

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

समस्या का उद्देश्य

I छात्रों को हिंदी का पाठ पढ़वाना।

II छात्रों को हिंदी के तथ्यों को समझना।

III छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करना।

IV छात्रों में हिंदी के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

समस्या का सीमांकन

कक्षा में 50 छात्रों में से हर छात्र विज्ञान विषय के तथ्यों व नियमों पर व प्रयोगों पर ध्यान नहीं देते।

कारणों का विश्लेषण करना

इस पद में कारणों का विश्लेषण किया जाता है और उन्हीं कारणों को लिया जाता है जिनके साक्ष्य उपलब्ध हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

Topic : .... Date. : .... Page No. : 15

कारणों के विश्लेषण हेतु रूपरेखा तैयार करना

स०	कारण	तथ्य का अनुमान	साक्ष्य	अनुमानों के [illegible]
1.	पढ़ाते समय छात्रों को पाठ के बारे में स्पष्ट जानकारी देना	तथ्य	विद्यार्थियों से पूछकर	हाँ
2.	विद्यार्थियों का सही तरीके से पाठ को समझ पाना	तथ्य	विद्यार्थियों से पूछकर	हाँ
3.	विद्यार्थियों का हिन्दी के तथ्यों नियमों में रुचि न लेना	अनुमान	विद्यार्थियों एवं अभ्यास पुस्तिका का नीरीक्षण	हाँ
4.	शिक्षण करते समय शिक्षण द्वारा मुख्य बिंदुओं द्वारा मुख्य बिंदुओं को महत्व न देना	अनुमान	विद्यार्थियों से पूछकर	हाँ
5.	शिक्षक द्वारा तथ्य को श्याम पट्ट पर न लिखना	अनुमान	निरिक्षण	हाँ
6.	छात्रों को गृहकार्य	तथ्य	विद्यार्थियों से पूछकर	हाँ
7.	गृहकार्य का नीरिक्षण करना	तथ्य	अभ्यास पुस्तिका देखकर	हाँ
8.	विद्यालय में उचित व्यवस्था में कमी	अनुमान	विद्यार्थियों से पूछकर	हाँ
9.	कक्षा में छात्रों का अधिक मात्रा में होना	अनुमान	विद्यार्थियों से पूछकर	हाँ
10.	कक्षा में अनुशासन	अनुमान	निरिक्षण	हाँ
11.	प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी	तथ्य	विद्यार्थियों से पूछकर	हाँ

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

क्रियात्मक अनुसंधान मूल्यांकन

इस क्रियात्मक अनुसंधान के लिए विधि लागू की गई। उसकी कल्पना के आधार पर कार्य करके माह के उपरांत निरीक्षण करके यह पाया गया कि 50 में से हर छात्रों को हिंदी विषय के कठिन तथ्यों और नियमों की समस्या में सुधार हो गया। अतः मेरा क्रियात्मक अनुसंधान सफल हो गया।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

व्यवहार परिमार्जन

क्रियात्मक अनुसंधान द्वारा व्यवहार परिमार्जन निम्न प्रकार से होता है :-

1) **संस्था के प्रधान के व्यवहार का परिमार्जन**
संस्था के प्रधान पर संस्था के उपयुक्त वातावरण सभी छात्रों को प्रदान करने का दायित्व होता है। इसके छात्रों को प्रदान करने का अध्यापक वर्ग का सहारा लेता है। अतः प्रत्येक दृष्टिकोण से संस्था के प्रधान से आदर्श व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। क्रियात्मक अनुसंधान करके प्रधान अपने गुणों में और संस्था उपयुक्त वातावरण कायम कर सकता है।

2) **अध्यापकों के व्यवहार में परिमार्जन**
समाज में प्रत्येक अध्यापक के आदर्श शिक्षण की अपेक्षा की जाती है। क्रियात्मक अनुसंधान द्वारा हम उसके पढ़ाने के ढंग में होने वाली स्थितियों को बताकर उसके व्यवहार में उपयुक्त परिमार्जन कर सकते हैं, जब वह अपनी अच्छाइयों को कायम रखते हैं और बुराइयों को त्याग कर किसी भी परिस्थिति में अच्छी तरह स्वयं कर सकता है।

3) **छात्रों के व्यवहार में परिमार्जन**
अध्यापक के द्वारा शिक्षण का मुख्य लक्ष्य छात्रों के व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन लाना है। अध्यापक के द्वारा की जाने वाली क्रियात्मक अनुसंधान क्रियाएँ उससे अध्यापक बनने में मदद करती है। इसके द्वारा शिक्षक छात्रों के व्यवहार को परिमार्जित कर सकता है।

UNITED BOOK SOCIETY

Scanned with CamScanner

क्रियात्मक अनुसंधान के उद्देश्य

1) विद्यालय की कार्य प्रणाली में सुधार तथा विकास करना।

2) छात्रों तथा शिक्षक में प्रजातन्त्र के वास्तविक गुणों का विकास करना।

3) विद्यालयों में क्रियाकलापों में शिक्षक, प्रधानाचार्य, प्रबंधक तथा निरिक्षकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।

4) शैक्षिक, प्रशासकों तथा प्रबंधको को विद्यालय की कार्य प्रणाली के आधार पर सुधार और परिवर्तन के लिए सुझाव देना।

5) विद्यालय की कार्य प्रणाली को प्रभावशाली बनाना।

6) विद्यालय की परंपरागत रूढ़ीवादिता तथा यांत्रिक वातावरण से मुक्त होना।

7) छात्रों के स्तर को ऊँचा उठाना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

क्रियात्मक अनुसंधान के लाभ

1> क्रियात्मक अनुसंधान शिक्षक के व्यवहार में सुधार तथा अपने कार्य में रुचि पैदा करने में सहायता करता है।

2> शिक्षक अपने तत्कालीन स्कूल परिसर में घटित होने वाली समस्या पर सुगमतापूर्वक विचार करता है। और समाधान खोजने का प्रयास करता है।

3> यह शिक्षक में वैज्ञानिकों की प्रवृत्ति और बोधकर्ता के लिए जाग्रती प्रदान करता है।

4> यह मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति है और इससे छात्रों के आकांक्षा स्तर और उपलब्धि स्तर ऊँचा उठता है।

5> यह विद्यालय के जनतांत्रिक मूल्य विस्तृत करके स्कूली प्रशासन में सुधार व परिवर्तन लाती है।

6> इसके द्वारा कम समय में व कम खर्च करके दिन-प्रतिदि उत्पन्न होने वाली स्कूल संबंधी समस्याओं को हल करने में सहायता मिलती है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner

क्रियात्मक अनुसंधान की आवश्यकता

1> विद्यालय की समस्याओं का हल खोजना।

2> अध्यापकों व प्रधानाचार्य के दृष्टिकोण में सुधार लाना।

3> जनतांत्रिक मूल्यों द्वारा समस्या समाधान की उपज उत्पन्न करना।

4> विद्यालयों में श्रेष्ठता उत्पन्न करने की चेष्टा पैदा करना।

5> पुराने वातावरण में सुधार करना।

6> विद्यालयों की सीखने की स्थिति स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना।

UNITED SECULAR SOCIETY

Scanned with CamScanner